

गतिविधि : 1

खंड पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

आज हम पहाड़ देखने गए। कुर से पहाड़ नीले रंग के लगे। पहाड़ों पर बहुत सारे फूल खिले थे। मुझे वे फूल बैंगनी रंग के लगे। लेकिन भैया ने कहा नीले हैं। इनका नाम नीलकुरिंजी हैं। इसलिए इन पहाड़ों को नीलगिरी कहते हैं।

क. लेशुक आज कहाँ गए ?

(i) पहाड़ (ii) शहर (iii) गाँव (iv) जंगल

ख. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें।

अ) पहाड़ नीले रंग के लगे।      आ) पहाड़ लाल रंग के लगे।  
 ब) पहाड़ पीले रंग के लगे।      ई) पहाड़ काले रंग के लगे।

ग. पहाड़ों पर कौन-से फूल खिले थे ?

अ) चंपा      आ) नीलकुरिंजी      इ) गुलाब      ई) चमेली

घ. लेशुक को नीलकुरिंजी के फूल किस रंग के लगे ?

अ) पीले      आ) काले      इ) हरे      ई) बैंगनी

ङ. पहाड़ों को नीलगिरी क्यों कहा गया है ?

अ. गुलाब के फूलों के कारण      आ. चंपा के फूलों के कारण

इ. नीलकुरिंजी के फूलों के कारण      ई. चमेली के फूलों के कारण

## गतिविधि : 2

कवितांश पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

दरख्त अपने फूलों से  
इतना प्यार करे कि  
पह दे सके फूल  
कृत्रिम को भी !

बादल अपने जल से  
इतना प्यार करे कि  
पह दे सके जल  
कृत्रिम को भी !

क. समान अर्थ शब्द लिखें।

पेड़ : -----

(1)

घटा : -----

ख. यह आशय वाली पंक्ति चुनकर लिखें।

"मेघ अपने पानी से प्यार करें और प्रकृति की व्यास बुझाएँ।"

(1)

ग. कवितांश का आशय लिखें।

(3)

## गतिविधि : 3

क. उचित संदेश वाक्य जोड़कर परिस्थिति संरक्षण पर वास्टर तैयार करें।

(3)

ख. सही मिलान करें।

प्रशिक्षण का सबसे सुफ-सुपरे गौव हें

इस छोटे से गौव में ज्वाइलक पुरी  
तरह से

हँजे की बीमारी से दृष्टकाश पाने का  
अकमात्र उपाय था

गौववाले कचरे का इस्तेमाल

खाद की तरह करते हैं।

मात्रलिन्नोज

प्रातेबंदिया हैं।

सफाई करना।

(2)